an>

Title: Need to launch a special drive to trace the missing children.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): बच्चे भारत का भविष्य हैं। उनके शैक्षणिक विकास एवं उनके कौशल विकास से देश का विकास संभव है। मैं सरकार का ध्यान देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा गायब होने के आंकड़ो की तरफ आकर्षित करना चाहती हूं। बच्चों के गुम होने पर उसके माता-पिता पर क्या बीतती है, उसे हम सभी महसूस कर सकते हैं। बच्चों का अपहरण कर कई गिरोह उनके शरीर को विक्लांग कर उनसे भीख मंगवा रहे हैं। कई बच्चों का उपहरण इसलिए किया जाता है कि उनके लीवर और किडनी निकाल कर देश के किडनी और लीवर से पीड़ित अमीर वर्ग के लोगों को उपलब्ध करवाया जा सके। अरब के देशों में बच्चों की तस्करी की जा रही है। इस तरह से भारत में बच्चे असुरक्षित हो रहे हैं। भारत में हर साल लगभग एक लाख बच्चे गायब हो रहे हैं, जो अपेक्षाकृत अन्य देशों से ज्यादा है। चीन में एक साल में दस हजार और पाकिस्तान में एक साल में तीन हजार बच्चे गायब होते हैं। भारत में 2015 में 2014 की अपेक्षा बच्चों के गुम होने में 45 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। मैं उन कई संस्थाओं को धन्यवाद देती हूं, जो बच्चों को ढूंढने के कार्य में लगे हैं और उन्होंने इसके लिए कई वेब साईट बनाई हुई हैं। देश में गुम हो रहे बच्चों के मामले में सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और उसके लिए पुलिस व्यवस्था पर फटकार भी लगाई है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि बच्चों को ढूंढने में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाये और इसके लिए विशेष अभियान समय-समय पर चलाये जायें और इसके दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाये।